2.5.3 - आईटी एकीकरण और परीक्षा प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं में सुधार (निरंतर आंतरिक मूल्यांकन और अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन) ने संस्थान की परीक्षा प्रबंधन प्रणाली में काफी सुधार लाया है।

IT integration and reforms in the examination procedures and processes (continuous internal assessment and end-semester assessment) have brought in considerable improvement in examination management system of the institution

विश्वविद्यालय द्वारा आईटी एकीकरण और परीक्षा प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं में सुधार (निरंतर आंतरिक मूल्यांकन और अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन) ने संस्थान की परीक्षा प्रबंधन प्रणाली में काफी सुधार लाया है। पाठ्यक्रम के परिणामों को जानने हेतु परीक्षापद्धति महत्त्वपूर्ण अंग है। आधुनिक तकनीकी के माध्यम से विश्वविद्यालयीय परीक्षा पद्धति छात्रों को परिणाम देने में निरन्तर सफल रही है। मुख्य रूप से शास्त्रीय पाठ्यक्रम एवं आधुनिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षा प्रणाली एवं आन्तरिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्री पाठ्यक्रम की परीक्षा छह अधिसत्रों में विभक्त है तथा आचार्य की परीक्षा चार अधिसत्रों में विभक्त है। विश्वविद्यालय समयबद्ध रूप से परीक्षाओं का आयोजन एवं परिणाम घोषित करता है। विद्यावारिधि के शोधग्रन्थ का मूल्यांकन भी बाह्यपरीक्षकों एवं आन्तरिक परीक्षकों के मूल्यांकन के पश्चात् वाम प्रस्तुति के माध्यम से परिणाम घोषित करता है।

परीक्षा में आधुनिक तकनीकी का प्रयोग- विश्वविद्यालय अपनी समस्त परीक्षाओं में आधुनिक तकनीकी का उपयोग करता है। परीक्षा भवन में परीक्षार्थियों की समुचित उपवेशन व्यवस्था है। C.C.T.V. कैमरा की निगरानी में समस्त परीक्षाएँ सम्पन्न होती हैं।

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा समस्त परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से कराने हेतु विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध रहता है।

परीक्षा सूचना- विश्वविद्यालय परीक्षा समय-सारिणी का निर्माण कर अपनी वेबसाइट के माध्यम से संबद्ध महाविद्यालयों को सूचित करता है साथ ही संबंधित छात्र अपने मोबाइल के माध्यम से परीक्षा समय-सारिणी से अवगत हो जाते हैं। इस सूचना के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु विभागों में समयसारिणी का सम्प्रेषण होता है एवं सूचनापट्ट पर चस्पा की जाती है।

परीक्षा आवेदन पत्र- परीक्षा आवेदन पत्र की परिपूर्ति वाञ्छित सूचना के आलोक में समस्त परीक्षार्थी ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र पूरित करते हैं। यह प्रक्रिया पूर्णतया ऑनलाइन तकनीक पर आधारित है, जिससे छात्र अपनी सुविधानुसार यथेच्छ स्थान पर रहकर आवेदन पूर्ण करते हैं। विश्वविद्यालय परीक्षा फॉर्म शुल्क ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार करता है।

परीक्षापरिणाम- विश्वविद्यालय मूल्यांकनोपरान्त परीक्षा-परिणाम ऑनलाइन माध्यम से अपने बेबसाइट पर संलग्न करता है तथा विश्वविद्यालय के समस्त विभागों में सूचनापट्ट पर चस्पा करवाता है।

उपाधिवितरण- विश्वविद्यालय नित्य नयी आधुनिक तकनीक के प्रयोग से परीक्षा को पारदर्शी एवं परीक्षा परीणाम को प्रदान करने हेतु सुगम मार्गों को निर्मित कर रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की समस्त परीक्षाओं का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एवं डिजिलॉकर के माध्यम से उपाधि छात्रों तक प्रेषित करने का कार्य विश्वविद्यालय कर रहा है।

अधिसत्र परीक्षा- विश्वविद्यालय अपनी परीक्षाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में नित्य परिवर्तनशील है। प्रस्तुत क्रम में विश्वविद्यालय ने शास्त्री के पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं छह अधिसत्रों में कराना आरम्भ कर दिया है।

आन्तरिक मूल्यांकन- विश्वविद्यालय ने अपनें समस्त प्रश्न-पत्रों के अंकों को दो भागों में विभाजित किया है। आन्तरिक मूल्यांकन हेतु २५ % अंक एवं सत्रीय परीक्षा मूल्यांकन हेतु ७५ % अंक निर्धारित किया गया है। मूल्यांकन की इस पद्धति के कारण प्राप्तांक प्रतिशत में अभिवृद्धि हुई है।

भारांश पद्धति- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रम में शास्त्रीय विषय के साथ-साथ अन्तर्विषयक पाठ्यक्रम के परीक्षपरिणामों में क्रेडिट सिस्टम (भारांश-पद्धति) का प्रयोग किया जा रहा है। जिससे छात्रों के अंकपत्र का महत्त्व प्रतियोगी परीक्षा इत्यादि में संवर्धित हो रहा है।

प्रश्नपत्र निर्माण, आवेदन पत्र पूर्ति, प्रवेशपत्रवितरण, आन्तरिक मूल्यांकन, परीक्षा परिणाम, उपाधिवितरण इन सभी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए परीक्षा प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया गया जिससे छात्र निरन्तर लाभान्वित हो रहे हैं।